सूतक पातक में पीढ़ियाँ ऐसे गिने

1. पीढ़ियाँ वृषभ कुमार से गिनना चाहिए। पीढ़ियाँ उसी की गिनना चाहिए जिसके घर प्रसूति (जन्म) हुई है। इस तरह वृषभ कुमार से नेमि कुमार (नवजात शिशु) तक सातवीं पीढ़ी होती है। ज्यादा सूतक पातक सातवीं पीढ़ी तक है।
2. जब तक व्यवहार है, विवाह आदि में जा रहे है दैनिक क्रियाओं में, कुटुम्ब के रूप में शामिल हो रहे है तब तक सूतक पातक लगेगा।
3. पीढ़ी में सीढ़ी का उदाहरण है - जैसे जन्म हुआ तो ऊपर चढ़ना है (यानि नीचे से ऊपर गिनना है) मरण हुआ तो ऊपर से नीचे उतरना है। (यानि ऊपर से नीचे गिनना है)
4. पीढ़ी पता नही है तो सूतक पातक नहीं लगेगा। (यदि कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है तो)
5. **पीढ़ी समाधान- 1 :-** परिवार में जो ज्येष्ठ (दादा-दादी, माता-पिता आदि) जीवित हो, उसी पीढ़ी के प्रमाण से समस्त परिवार को सूतक-पातक पालना होगा। (धर्मोद्योत प्रश्नोत्तर माला)
6. **पीढ़ी समाधान -2 :-** एक ही मटकी का पानी पीने वाली पीढ़ियाँ भिन्न-भिन्न असमान दिनों तक सूतक पाले, यह बात तब तक नही चन सकती जब तक ये अलग-अलग नही रहने लगें। एक संयुक परिवारी पिता, पुत्र को तो समान दिनों का सूतक तर्क बल से मानना न्याय संगत पड़ता है। यदि संयुक्त रूप से रहते है, परिवार में तो सूतक-पातक समान लगेगा। (जिनभाषित पत्रिका अक्टूबर 2008)
7. **पीढ़ी समाधान -3 :-** पिताजी हैं, तब वह अपनी पीढ़ी को दादाजी से ही गणना करेंगे और जब तुम्हारा नम्बर आयेगा तो तुम भी दादा जी से गणना करोगे। पिताजी के दादा जी से नहीं, जिसके जो दादा जी कहलावेंगे उनसे ही गणना की जायेगी। (साभार- दाता स्वीकारो पृष्ठ 112)
8. **पीढ़ी समाधान - 4 :-** लड़का अलग होने पर सूतक उसके परिवार को उसकी पीढ़ी के अनुसार लगेगा। परिवार के दादाजी जीवित हो या मृत हो गये हो पीढ़ी की गणना कर सकते है। (वर्तमान के प्रतिष्ठाचार्य का मत) जिस पीढ़ी का जो मुखिया होगा उसे जितनी पीढ़ी का सूतक लगेगा उतना ही सभी परिवार जनों को भी लगेगा। (अलग से गणना नही होगी)
9. **पीढ़ी कैसे गिनें -5 :-** पहली पीढ़ी दादा जी की दूसरी पीढ़ी पिताजी की तथा तीसरी पीढ़ी स्वयं की कहलाती है। वे जीवित हों या न हो। यदि एक ही दादा जी के पुत्र एवं पौत्र की पीढ़ी में सूतक पातक हो तो उन्हीं से पीढ़ी ली जावेगी। यदि दादा जी के चचेरे भाइयों की पीढ़ी में सूतक पातक होता है तो दादा जी के पिताजी से पीढ़ी ली जावेगी। यदि परिवार में किसी का जन्म हुआ हो तो पीढ़ी नीचे से गिनी जाती है, और यदि किसी का मरण हुआ है तो, पीढ़ी का गिनना ऊपर से होता हैं। (संदर्भ - संस्कार संहिता पृष्ठ 165)
10. **सूतक संबंधी विचारणीय बिन्दु पीढ़ी संबंधी चर्चा** - सूतक में जन्म और मरण में पीढ़ी के अनुसार सूतक संबंधी विषय क्रिया कोष ग्रंथ श्री किशनसिंह जी द्वारा रचित में मिला है जो 17वीं शताब्दी का है। इसके पहले किसी ग्रंथ में पीढ़ी का उल्लेख नहीं है। पीढ़ी का उल्लेख 'सूतक निर्णय भाष्य' में श्री सोमसेन सूरि ने किया है। पीढ़ी गिनने में कई तरह की मान्यताएं हैं। इस संबंध में लेख 'पीढ़ियाँ कैसे गिने' जो जिन भाषित पत्रिका अक्टूबर 2008 में प्रकाशित हुआ था पठनीय है। पीढ़ी गिनने में घर के मुखिया की जो पीढ़ी होगी वही सूतक परिवार जनों को लगेगा। जैसे शादी या अन्य कार्यक्रम में भी मुखिया का नाम लिखा जाता है। राशन कार्ड एवं वोटर लिस्ट में भी मुखिया का नाम ही लिखा जाता हैं। पीढ़ी संबंधी बटवारा कर लें कुटुम्ब परिवार मिलकर सूची बना लें जिससे हमेशा के लिए सुविधा हो जाये। (साभार - विभिन्न माध्यम से प्राप्त बिन्दु)

(यह विवरण मुनि श्री 108 भावसागर जी महाराज जी द्वारा प्राप्त हुआ है)

अधिक जानकारी के लिए देखें - www.jindharma.com

अर्पणकर्त्ता : बाबूलाल जैन, अजय कुमार, प्रवीण कुमार, अर्पित कुमार, अतुल कुमार, फर्म : अजय कुमार प्रवीण कुमार ग्रेन मर्चेन्ट बीना जिला-सागर (म.प्र.)

आकृति बीना मो.